ORIGINAL RESEARCH PAPER

Education

KEY WORDS:

"स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी. एड. व डी. एल. एड. प्रशिक्षणार्थियों की जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन"

डॉ. शिप्रा गुप्ता (रीडर) बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर

ABSTRACT

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से राज्य में 2 अक्टूम्बर 2014 में स्वच्छ भारत अभियान का षुभारंभ किया गया। इस मिषन का उद्देष्य महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगांठ 2 अक्टूम्बर 2019 तक भारत को खूले शौच से मुक्त करना है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत भारत सरकार द्वारा कई प्रावधान दिये गये व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय इकाईयों का निर्माण एवं उपयोग करने पर प्रोत्साहन राषि के रूप में 12000 केन्द्र का अंष 60 प्रतिषत यानी 7200रू/– एवं राज्य का अंष 40 प्रतिषत 4800 रू इस प्रकार 12000 रूपये दिये जाने का प्रावधान है।ग्रामीण भारत में 1.96 लाख करोड़ रूपये को अनुमानित लागत के 1.2 करोड़ शौचालयों का निर्माण करके खुले शौच मुक्त भारत को हासिल करने का लक्ष्य रखा है। प्रस्तुत शोधकार्य स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की जागरूकता के स्तर को जानने का एक लघु प्रयास है। प्रस्तुत शोध प्रशिक्षणार्थियों के साथ–साथ समाज के सभी व्यक्तियों को जागरूक करने में सहायक हो सकेगा। यह शोध शिक्षकों को भी जागरूक कर सकेगा।इस शोध के परिणाम इस तथ्य की ओर इंगित करते है कि तुलनात्मक दृष्टि से अधिकांश परिस्थितियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का स्तर बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों में से छात्राओं का अधिक है। इसका मुख्य कारण यह है कि छात्राएं स्वच्छता के प्रति ज्यादा सजग व उत्साहित रहती है। महाविद्यालय में आयोजित की जाने वाली स्वच्छता गतिविधियों में ज्यादा योगदान देती है।

शोध उद्देश्य

अनुसंधानकर्त्री ने अपने शोधकार्य हेतु निम्नलिखित शोध उद्देश्य निर्धारित किए हैं–

1. स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड. व डी.एल.एड. प्रषिक्षणार्थियों के जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2. स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड. छात्राध्यापिकाओं एवं बी.एड. छात्राध्यापकों के जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
3. स्वच्छ भारत अभियान के प्रति डी.एल.एड. छात्राध्यापिकाओं एवं डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध परिकल्पनाएँ

1. स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड. व डी.एल.एड. प्रषिक्षणार्थियों के जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2. स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड. छात्राध्यापिकाओं एवं बी.एड. छात्राध्यापकों के जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
3. स्वच्छ भारत अभियान के प्रति डी.एल.एड. छात्राध्यापिकाओं एवं डी.एल.एड. छात्राध्यापकों के जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध प्रविधियाँ :–

विधि :–प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

यादर्श :–प्रस्तुत शोध में साधारण यादृच्छिक विधि का चयन किया गया है।

न्यादर्श		
	छात्राध्यापक	छात्राध्यापिकाएँ
बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थी	25	25
डी.एल.एड. महाविद्यालय प्रशिक्षणार्थी	25	25
कुल	50	50

उपकरण:–

प्रस्तुत शोध के लिए शोधकर्त्री द्वारा प्रदत्तों के संकलन के लिए स्वर्निमित प्रष्नावली का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्त संचयन :–प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री ने "स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड. व डी.एल. एड. प्रषिक्षणार्थियों की जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन" समस्या को चुना है। इस समस्या पर अध्ययन के लिए शोधकर्त्री ने जयपुर जिले के 50 डी.एल. एड. के प्रषिक्षणार्थी व 50बी.एड. प्रषिक्षणार्थियों को अध्ययन हेतु स्वनिर्मित प्रष्नावली का प्रयोग किया है जिसमें वस्तुनिष्ठ प्रष्नों को शामिल किया गया है।

परिणाम :–

परिकल्पना	समूह	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (S.D.)	सी.आर –मूल्य (C.R-Value)	सी.आर मूल्य (प्रमाणित सार्थकता स्तर 0.05 पर)
परिकल्पना परीक्षण – 1	बी.एड प्रशिक्षणार्थी	50	17.28	3.70	0.176	स्वीकृत
	डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थी	50	17.16	1.90		
परिकल्पना परीक्षण – 2	बी.एड छात्राध्यापिकाऐ	25	17.44	2.72	0.006	स्वीकृत
	बी.एड छात्राध्यापक	25	17.12	4.46		
परिकल्पना परीक्षण –3	डी.एल.एड. छात्राध्यापिकाऐ	25	18.6	2.26	3.2	अस्वीकृत
	डी.एल.एड. छात्राध्यापक	25	15.72	2.86		

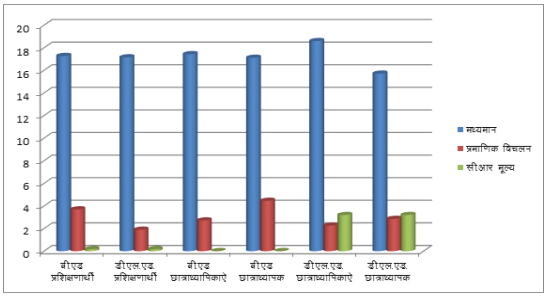

7. परिणामों की विवेचना :–

परिकल्पना–1 :–"स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड.एवं डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।"महाविद्यालयों में समय–समय पर स्वच्छ भारत अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करते है तथा सभी विद्यार्थी स्वच्छ भारत अभियान में सहयोग देकर इसे सफल बनाना चाहते है तथा साथ ही सभी विद्यार्थी सरकार द्वारा चलाये गये स्वच्छ भारत अभियान के तहत सुविधाओं नितियों का पूर्ण रूप से उपयोग करते है।

परिकल्पना–2 :–"स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड. छात्राध्यापिकाओं एवं बी.एड. छात्राध्यापकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।"दोनों समूह में स्वच्छता के प्रति जागरूकता समान रूप से विद्यमान है। इसका कारण यह हो सकता है कि दोनों समूह में समान स्तर के विद्यार्थी है तथा शिक्षकों के द्वारा दोनों समूह के विद्यार्थियों को समय–समय पर समान रूप से जागरूकता व जानकारी प्रदान की जाती है तथा दोनों समूह के विद्यार्थियों में स्वच्छ भारत अभियान के प्रति समान रूप से कर्मठता पाई जाती है।

परिकल्पना–3"स्वच्छ भारत अभियान के प्रति डी.एल.एड. छात्राध्यापिकाओं एवं डी. एल.एड. छात्राध्यापकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर पाया जाता है।"डी.एल.एड. छात्राध्यापकों की तुलना में डी.एल.एड. छात्राध्यापिकाएं स्वच्छता के प्रति ज्यादा जागरूकता रखती है। क्योंकि छात्राएं साफ–सफाई को लेकर ज्यादा सजग होती है। वे अपने आस–पास के वातावरण को स्वच्छ बनाने में पूर्ण रूप से सहयोग देती है। छात्राएं अपने घर को भी स्वच्छ रखने के लिए छात्रों की अपेक्षा ज्यादा प्रयास करती है।

8. शैक्षिक निहितार्थ:–

प्रस्तुत शोधकार्य स्वच्छ भारत अभियान के प्रति बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों की जागरूकता के स्तर को जानने का एक लघु प्रयास है। प्रस्तुत शोध द्वारा प्राप्त परिणाम विभिन्न प्रकार की समस्याओं को हल करने में सहायक होते हे। ये परिणाम शिक्षा नितियों को भी प्रभावित करते है। अतः परिणामों के माध्यम से ही शिक्षा तकनीकी एवं प्रविधियों में सुधार कर शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाया जा सकता है और विद्यार्थियों के स्तर को भी उन्नत किया जा सकता है।

प्रस्तुत शोध प्रशिक्षणार्थियों के साथ–साथ समाज के सभी व्यक्तियों को जागरूक करने में सहायक हो सकेगा। यह शोध शिक्षकों को भी जागरूक कर सकेगा।

इस शोध के परिणाम इस तथ्य की ओर इंगित करते है कि तुलनात्मक दृष्टि से अधिकांश परिस्थितियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का स्तर बी.एड. एवं डी.एल.एड. प्रशिक्षणार्थियों में से छात्राओं का अधिक है। इसका मुख्य कारण यह है कि छात्राएं स्वच्छता के प्रति ज्यादा सजग व उत्साहित रहती है। महाविद्यालय में आयोजित की जाने वाली स्वच्छता गतिविधियों में ज्यादा योगदान देती है।

प्रस्तुत शोध द्वारा भारत सरकार द्वारा चलाये अभियान को सफल बनाने में श्रेष्ठ सिद्ध हो सकेगी। इस शोध के द्वारा हम शिक्षकों, छात्राध्यापकों, समाज के प्रत्येक नागरिक को जागरूक कर अपने समाज तथा राष्ट्र को स्वच्छ तथा स्वस्थ्य बना सकेंगे। शिक्षा ही मानव जीवन को सफल बनाती है। आज के युग में प्रत्येक विद्यार्थी उन्नति करना चाहता है। शिक्षा ही व्यक्ति को उन्नतिशील बनाने में सहायक होती है। सभ्यता और संस्कृति के पथ पर चढ़ता हुआ युवक शिक्षा की सहायता से ही आगे बढ़ता है और जीवन के हर क्षेत्र में स्वयं को जागरूक कर सकता है।

शिक्षा के महत्व एवं उपयोगिता को देखते हुए प्रस्तुत शोधकार्य शैक्षिक दृष्टि से निम्न आधारों पर उपयोगी साबित होगी–

- शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता लाई जाती है।
- शिक्षा में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का समावेश कर लोगों को जागरूक किया जा सकता है।
- शिक्षा का मुख्य उद्धेश्य बालक को एक अच्छा, योग्य, सक्षम नागरिक बनाना है तथा व्यक्ति में सभी गुणों का विकास करना शिक्षा का उद्धेश्य है। अतः यह शोध कार्य शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी होगा। जिससे देश के प्रत्येक नागरिक को योग्य, सक्षम व जागरूक बनाया जा सकेगा।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि स्वच्छता अभियान को यदि शिक्षा जगत में गम्भीरता के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास किया जायेगा तो सभी विद्यार्थियों, समाज तथा देश में समन्वित प्रयासों से स्वच्छ भारत अभियान का सपना अवश्य साकार होगा।

9. संदर्भ सूची

1. बेस्ट, जे. डब्ल्यू., एंण्डजेम्स, वी.के. रिसर्चइन एज्यूकेशन, परसनपब्लिकेशनहाउस, न्यूडेली 2008
2. भटनागर, सी. एल. एवंराय पी. एन.: अनुसंधानपरिचय, विनोदपुस्तकमन्दिर, आगरा, 1991
3. बेडेकर, बी.एच. : हाऊटूराइट, एसाइन्मेंट, रिसर्चपेपर, डेजरटेशन एण्ड थीसिस , कनक पब्लिकेशन नई दिल्ली, 1982
4. ज्योति, के.एस. एण्ड राव, डी.बी, एज्यूकेशनलरिसर्च, नीलकमलपब्लिकेशन, मेरठ, 2001
5. गुड, सी.वी. एवंस्कैट्सई. : मेथड्सऑफरिसर्च, एप्लीटनसेन्चुरी, क्राफ्ट, न्यूयॉर्क, 1964